www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 देशहित से ही बचेगी पत्रकारिता की साख
3 बरौनी प्रखंड के सभी पंचायतों में चलाया जायेगा 12...
4 मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र से शुरू...

वर्षः 9 | अंकः 215 | दिल्ली, शुक्रवार, 30 मई 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

अब बाजार बदल रहा है, ग्राहकों की प्राथमिकताएँ भी बदल रही हैं-मोदी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विकसित कृषि संकल्प अभियान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि अब बाजार बदल रहा है, ग्राहकों की प्राथमिकताएँ भी बदल रही हैं। इसलिए हमारा विनम्र प्रयास है कि किसानों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर कृषि-व्यवस्थाओं में बदलाव लाया जाए, किसानों के साथ चर्चा की जाए कि भारत की कृषि और अधिक आधुनिक कैसे बने। उन्होंने कहा कि इसी अभियान के तहत हमारे वैज्ञानिकों की टीम लैब टू लैंड की मुहिम को आगे बढ़ा रही है। मोदी ने कहा कि बीते दशकों में हमारे कृषि वैज्ञानिकों ने कई क्षेत्रों में अच्छे शोध किए हैं, बेहतर नतीजे दिए हैं। वहीं दूसरी ओर हमारे देश के प्रगतिशील किसानों ने भी अपने प्रयोगों से कृषि क्षेत्र में बड़े बदलाव लाए हैं, उत्पादन बढ़ाया है और सफल प्रयोग किए हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों के सफल शोध और प्रगतिशील किसानों के सफल प्रयोगों की जानकारी हमारे सभी किसानों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। इस दिशा में आप सभी शुरू से ही प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब इसे नए जोश के साथ करने की जरूरत है। विकसित कृषि संकल्प अभियान से आपको इसके लिए भरपूर अवसर मिलेंगे।

अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं देश की बेटियां-राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को भारतीय नौसेना के नौकायन पोत (आईएनएसवी) तारिणी के ध्वज समारोह में भाग लेने के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए, आपका स्वागत है। मैं आप दोनों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देता हूँ। आपने जो करिश्माई काम किया, वह आपकी उपलब्धि तो है ही, लेकिन वह एक राष्ट्र के रूप में हमारी उपलब्धि भी है। आईएनएससी तारिणी गोवा के तट पर पहुंची, जिसने अपना अभियान पूरा किया, जिसे 2 अक्टूबर, 2024 को गोवा के नेवल ओशन सेलिंग नोड से रवाना किया गया था। रक्षा मंत्री ने नौसेना अधिकारियों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि समुद्र का सामना करते हुए 45 हजार किलोमीटर की यात्रा करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। रक्षा मंत्री ने अपने भाषण के दौरान कहा, "लगभग 25 हजार समुद्री मील, यानी 8 महीनों में लगभग 45 हजार किलोमीटर की यात्रा की गई, वह भी समुद्र के बीच में रहते हुए, यह अपने आप में बहादुरी का एक बड़ा कारनामा है।"

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि सरकार को पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित पुंछ और अन्य क्षेत्रों के लिए ठोस, उदार और तत्काल राहत एवं पुनर्वास पैकेज उपलब्ध कराना चाहिए। पिछले शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ का दौरा किया और प्रभावित लोगों के साथ समय बिताया, जिनमें वे परिवार भी शामिल थे जिन्होंने 7 मई से 10 मई के बीच सीमा पार से हुए हमलों में अपने सदस्यों को खो दिया था। गांधी ने गोलाबारी से प्रभावित गुरुद्वारा सिंह सभा, मंदिर गीता भवन और मदरसा जिया-उल-उलूम का भी दौरा किया और क्राइस्ट हाई स्कूल में छात्रों से बातचीत की। मोदी को लिखे पत्र में गांधी ने कहा कि उन्होंने हाल ही में पुंछ का दौरा किया था, जहां पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। उन्होंने लिखा कि इस अचानक और अंधाधुंध हमले से नागरिक क्षेत्रों में भारी तबाही मची है। सैकड़ों घर, दुकानें, स्कूल और धार्मिक स्थल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई पीड़ितों ने कहा कि उनकी सालों की मेहनत एक झटके में नष्ट हो गई है।

केरल में मूसलाधार बारिश से व्यापक नुकसान

केरल (एजेन्सी)। भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी होने के बाद, एहतियात के तौर पर कोट्टायम, कन्नूर और कासरगोड में सभी शैक्षणिक संस्थानों में शुक्रवार को छुट्टी घोषित कर दी गई है। इन तीनों जिलों में व्यावसायिक कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय, ट्यूशन सेंटर, विशेष कक्षाएं और आंगनवाड़ी सहित शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। जिला कलेक्टरों ने कहा कि पहले से तय परीक्षाएं तय समय पर ही आयोजित की जाएंगी। इस बीच, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय ने घोषणा की कि 30 मई को होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। केरल में मानसून के दस्तक देने के बाद मूसलाधार बारिश हो रही है जिसकी वजह से व्यापक नुकसान हुआ है। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को राज्य के आठ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया। भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण राज्य में कई पेड़ उखड़ गए तथा निचले इलाकों और नदियों के निकटवर्ती इलाकों में जलभराव और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। वायनाड जैसे राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में लोगों को राहत शिविरों में ले जाया गया है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि भारी बारिश के कारण राज्य की विभिन्न नदियों मणिमाला, अचनकोविल, मीनाचिल, कोरापुझा और कबानी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है।

सालवन गांव में भव्य तरीके से मनाई गई वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती

सीएम ने की अनेक बड़ी घोषणाएं, असंध बाईपास के सुदृढ़ीकरण के लिए दिए 9 करोड़ रुपये

■ विधायक योगेंद्र राणा के नेतृत्व में पहुंची लाखों की भीड़ को देखकर सीएम नायब सैनी हुए गदगद

■ विधायक योगेंद्र राणा द्वारा रखी गई हल्के की मांगों पर सीएम नायब सैनी ने लगाई मुहर

हार्दिक आभार एवं धन्यवाद

'गुरुवार को गांव सालवन में राज्य स्तरीय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह के सफल आयोजन के लिए मैं देश और प्रदेश से आए सभी सम्मानित मेहमानों का हृदय की गहराइयों से अभिनंदन एवं आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही मैं गांव सालवन के समस्त ग्रामवासियों का और राजपूत सभा करनाल का विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं। आप सभी की उपस्थिति और योगदान ने इस आयोजन को एक प्रेरणास्रोत बना दिया। वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक महाराणा प्रताप जी की जयंती पर आप सभी की सहभागिता हम सबके लिए गर्व और सम्मान की बात है। -जय हिंद'

-योगेन्द्र राणा, विधायक, असंध

संजना भारती संवाददाता

असंध। हरियाणा में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती को बड़े धूमधाम से मनाया गया, जिसमें सर्व समाज की भागीदारी रही। गांव सालवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने महाराणा प्रताप को नमन करते हुए कहा कि वे केवल योद्धा ही नहीं बल्कि स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान के जीवंत प्रतीक हैं। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सालवन गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम मोहन सिंह के नाम पर करने की घोषणा की। असंध में महाराणा प्रताप धर्मशाला बनवाने के लिए 21 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत सालवन द्वारा जमीन उपलब्ध करवाने पर खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। असंध में एचएसवीपी का सेक्टर विकसित करने के संबंध में फिजिबिलिटी चैक करवाकर इसे विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने असंध विधानसभा क्षेत्र की 54 सड़कों, जिनकी लंबाई 186 किलोमीटर है, उनकी स्पेशल रिपेयर के लिए 88 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, 16 अन्य सड़कों, जिनकी लंबाई 91.49 किलोमीटर है, की भी स्पेशल रिपेयर करवाई जाएगी। साथ ही, 123 किलोमीटर लंबाई की 41 अन्य सड़कों को भी ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव सालवन से निकल रही ड्रेन को भी पक्का किया जाएगा। नायब सिंह सैनी ने असंध बाइपास के सुदृढ़ीकरण के लिए 9 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। कोहंड से असंध रोड की स्पेशल रिपेयर के लिए 34 करोड़ 37 लाख रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने असंध विधानसभा क्षेत्र में सामुदायिक भवनों के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। इसके अलावा, असंध विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए अलग से 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने वीर सपूत महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महापुरुष पूरे राष्ट्र की धरोहर होते हैं, उनका व्यक्तित्व हमें देशभक्ति, आपसी भाईचारे और एकता की महान परंपराओं को और अधिक मजबूत बनाने तथा प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप सिर्फ इतिहास की उन विभूतियों में से एक हैं, जिन्होंने न कभी झुकना सीखा और न ही कभी हार मानना सीखा। वे हमारे योद्धाओं, शासकों और युवाओं की प्रेरणा हैं।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत-श्याम सिंह राणा: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने समाज व राष्ट्र के लिए जो कार्य किए हैं, युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य को निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने अकबर के साथ कभी समझौता नहीं किया। महाराणा प्रताप के शौर्य का उदाहरण दुनिया के नेता देते हैं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के शासन काल में जो डेवलपमेंट के कार्य हुए, वो हमारे लिए सतत प्रेरणा के स्रोत हैं।

महाराणा प्रताप ने सर्व समाज और पूरे भारत की लड़ाई लड़ी; योगेंद्र राणा: कार्यक्रम में असंध के विधायक योगेंद्र राणा ने कहा कि महाराणा प्रताप ने सर्व समाज व पूरे भारत के लिए लड़ाई लड़ी। देश में अनेक महापुरुष हुए हैं। लेकिन राज्य स्तर पर उनकी जयंती मनाने का फैसला पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल में आरंभ हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से सीख लेनी चाहिए। महापुरुषों के बताए रास्ते पर चलना चाहिये। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने भी सर्व समाज को साथ लेकर चलने का संदेश दिया। इसके साथ-साथ उन्होंने हलके से जुड़ी विभिन्न मांगे मुख्यमंत्री के समक्ष रखी।

महापुरुषों से राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा लेनी चाहिए: रामकुमार कश्यप-इससे पहले इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप ने लोगों को महाराणा प्रताप जयंती की शुभकामनाएं व बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को महापुरुष के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके दिखाए रास्ते पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण में सहयोग करना चाहिये। कश्यप ने कहा कि महाराणा प्रताप ने कभी मुगलों की अधीनता को स्वीकार नहीं किया। महाराणा प्रताप के दिखाए रास्ते पर चलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आज देश के सम्मुख उत्पन्न चुनौतियां सामना करते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सुरेश राणा, राजस्थान के विधायक रवींद्र भाटी, हरियाणा के पूर्व मंत्री संजय सिंह, जिला अध्यक्ष प्रवीन लाठर, गांव सालवन के सरपंच जयदीप फौजी, हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष नरेश चौहान, पूर्व विधायक रेखा राणा, चेयरमैन अमरपाल राणा, पूर्व विधायक शशि परमार, राजपूत सभा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश चौहान, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि कविंद्र राणा, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य भूपेंद्र चौहान, सूरजपाल अम्मू, भाजपा नेता सोहन सिंह राणा ने भी विचार रखे।

(सभी फोटो-विजय गर्ग)

सम्पादकीय

आपरेशन सिंदूर और शल्यवादी विपक्ष

महाभारत संग्राम में एक सिद्धांत निकल कर आया शल्यवाद। माद्रीपुत्र नकुल-सहदेव के मामा माद्रा (मद्रदेश) के राजा शल्य थे। महाभारत में पाण्डवों के पक्ष में युद्ध करने आए शल्य का दिल अतिथि सत्कार से जीत कर दुर्योधन ने छल से उन्हें अपने खेमे में कर लिया। उन्होने कर्ण का सारथी बनना स्वीकार किया और कर्ण की मृत्यु के पश्चात युद्ध के अंतिम दिन कौरव सेना का नेतृत्व भी किया और युधिष्ठिर के हाथों वीरगति को प्राप्त हुए। वे कर्ण के सारथी तो बन गये किन्तु उन्होंने युधिष्ठिर को यह भी वचन दिया कि वे चाहे खड़े कौरव सेना के साथ दिखेंगे परन्तु युद्ध पाण्डवों के पक्ष में ही लड़ेंगे। इसके लिए उन्होंने अपने वचनों से कौरवों को ही हतोत्साहित करना शुरू किया। अपने ही लोगों का मनोबल तोड़ने की नीति शल्यवाद कहाती है। वर्तमान में आपरेशन सिंदूर के बाद भारत का विपक्ष भी इसी शल्यवादी की नई परिभाषा लिखता दिखाई दे रहा है। भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ चलाए आपरेशन सिंदूर के दौरान विपक्षी दलों ने चाहे देश व सरकार के साथ एकजुटता जताने की बात कही परन्तु पूरे आपरेशन के दौरान विपक्षी नेताओं की कंटीली जिव्हा देश को मर्माहत करती रही। आपरेशन सिन्दूर को लेकर सरकार को समर्थन देने वाली कांग्रेस ने आपरेशन के स्थगित होने के बाद जो कुछ कहा है वह सबकुछ उसकी एकजुटता की प्रतिबद्धता के विपरीत दिखाई देता है। आपरेशन स्थगित होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं ने जो कहा है वह दुश्मन देश को सांत्वना देने वाला था। इसलिए वहां के मीडिया ने उसे हाथों हाथ लपका। खड्गे ने ऑपरेशन सिन्दूर को एक छोटी-मोटी झड़प बताया वहीं राहुल गांधी ने विदेश मंत्री और प्रधानमंत्री द्वारा आपरेशन सिन्दूर को लेकर दिये बयानों पर पलटवार करते हुए जो कहा उससे उनकी अपनी और कांग्रेस पार्टी की छवि ही कमज़ोर हुई। कांग्रेस नेता ने ऑपरेशन सिन्दूर के संदर्भ में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की एक कथित टिप्पणी को लेकर कहा कि यह पाप है और सिन्दूर का सौदा है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा विदेश मंत्री को जवाब देना चाहिए। राहुल ने तो यहां तक पूछा कि हमने कितने भारतीय विमान गंवा दिए क्योंकि पाकिस्तान को पहले से पता था। उन्होंने कहा कि देश को सच जानने का पूरा हक है। कांग्रेस और राहुल गांधी ने जयशंकर के एक बयान का वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया है कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हमलों से पहले, भारत सरकार ने पाकिस्तान को इस बारे में सूचित किया था। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने इस तरह के दावों को गलत बताया था कि विदेश मंत्री जयशंकर ने सात मई को ऑपरेशन सिन्दूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सुचेत किया था। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत अहम है, क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने के लिए मध्यस्थता की। ट्रंप ने एक बहुत खौफनाक बात यह भी बोली कि उन्होंने भारत को व्यापार रोकने की धमकी देकर युद्ध रुकवाया। यानी सिन्दूर का सौदा होता रहा, प्रधानमंत्री चुप रहे। विदेश मंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा है। ऑपरेशन सिन्दूर के स्थगित होने के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र बीकानेर के पलाना में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और यह कीमत पाकिस्तान की सेना और उसकी अर्थव्यवस्था चुकाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पाकिस्तान के साथ न ट्रेड होगा, न टॉक, अब तो सिर्फ पीओके पर बात होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार पाकिस्तान को सीधे चेताया और भविष्य में आतंकी गतिविधियों पर आरपार का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने नाल एयरबेस को भी निशाना बनाने की कोशिश की थी परन्तु वह इस एयरबेस को रत्तीभर भी नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पाकिस्तान एक बात भूल गया कि अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मोदी का दिमाग ठंडा रहता है, लेकिन लहू गर्म रहता है और अब तो मोदी की नसों में गर्म सिंदूर बह रहा है। उन्होंने साफ कहा कि भारतीयों के खून से खेलना पाकिस्तान को अब महंगा पड़ेगा।

जयंती

पण्डित मुखराम शर्मा

जन्म-30 मई, 1909, मेरठ, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-25 अप्रैल, 2000) 'भारतीय सिनेमा' में अपने समय के ख्यातिप्राप्त पटकथा लेखक थे। वे मेरठ से साधारण शख्स के तौर पर मायानगरी मुंबई पहुँचे थे और फि ल्मी दुनिया में कथा, पटकथा और संवाद लेखक के तौर पर एक महान हस्ति का दर्जा पाया था। पूरे भारत से फिल्म वितरक मुखराम शर्मा को फोन करके पूछा करते थे कि उनकी अगली फिल्म कौन-सी है और किसके साथ है। उस समय मुखरामजी का जवाब किसी फिल्म के सभी अधिकार रातों-रात बिकवाने की गारंटी हुआ करता था। वे जो लिख रहे होते थे, उसका ट्रैक रखने के लिए वितरक और निर्माता उनके घर के नियमित चक्कर लगाते रहते थे। उनके पास अपनी पसंद के निर्माता और निर्देशकों को अपनी कहानियाँ को बेचने का विशेष अधिकार प्राप्त था।

पुण्यतिथि

उमाशंकर दीक्षित

जन्म-12 जनवरी, 1901 ई., उन्नाव, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-30 मई, 1991, नई दिल्ली) 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन' के पुरोधा एवं मानवता के पुजारी और राष्ट्रवाद के अग्रदूत थे। उन्होंने भारत में उन्नाव के नाम का गौरव बढ़ाया। उमाशंकर दीक्षित ने केंद्रीय गृहमंत्री व राज्यपाल जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर रहकर स्वयं के हित लाभ को त्याग कर राष्ट्र की सच्ची सेवा की और उसके लिए सदैव समर्पित रहे। तमाम व्यस्तता के बाद भी वे लोगों से परिवार की तरह मिलते थे। वे कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे थे।

कल मिलेंगे

पत्नी-मेरा वजन कैसे कम होगा?
पति-अपनी गर्दन को दाएं से बाएं हिलाती रहो.
महिला-अच्छा, पर ये किस समय करूं?
पति-जब कोई खाने को पूछे !

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

देशहित से ही बचेगी पत्रकारिता की साख

पत्रकारिता का केवल एक ही पक्ष होना चाहिए-देशहित। कलम का जनता के पक्ष और देशहित में चलना ही उसकी सार्थकता है। पत्रकारिता में हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए कि हमारे शब्दों एवं प्रश्नों से राष्ट्र की प्रतिष्ठा पर आँच न आए। हमारी कलम से निकल बहने वाली पत्रकारिता की धारा भारतीय स्वाभिमान, सम्मान और सुरक्षा के विरुद्ध न हो

-लोकेन्द्र सिंह

हिंदुस्थानियों के हित के हेत इस उद्देश्य के साथ 30 मई, 1826 को भारत में हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी जाती है। पत्रकारिता के अधिष्ठाता देवर्षि नारद के जयंती प्रसंग (वैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया) पर हिंदी के पहले समाचार-पत्र उदंत मार्तंड का प्रकाशन होता है। इस सुअवसर पर हिंदी पत्रकारिता का सूत्रपात होने पर संपादक पंडित युगलकिशोर समाचार-पत्र के पहले ही पृष्ठ पर अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हुए उदंत मार्तंड का उद्देश्य स्पष्ट करते हैं। आज की तरह लाभ कमाना उस समय की पत्रकारिता का उद्देश्य नहीं था। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व प्रकाशित ज्यादातर समाचार-पत्र आजादी के आंदोलन के माध्यम बने। अंग्रेज सरकार के विरुद्ध मुखर रहे। यही रुख उदंत मार्तंड ने अपनाया। अत्यंत कठिनाईयों के बाद भी पंडित युगलकिशोर उदंत मार्तंड का प्रकाशन करते रहे। किंतु, यह संघर्ष लंबा नहीं चला। हिंदी पत्रकारिता के इस बीज की आयु 79 अंक और लगभग डेढ़ वर्ष रही। इस बीज की जीवटता से प्रेरणा लेकर बाद में हिंदी के अन्य समाचार-पत्र प्रारंभ हुए। आज भारत में हिंदी के समाचार-पत्र सबसे अधिक पढ़े जा रहे हैं। प्रसार संख्या की दृष्टि से शीर्ष पर हिंदी के समाचार-पत्र ही हैं। किंतु, आज हिंदी पत्रकारिता में वह बात नहीं रह गई, जो उदंत मार्तंड में थी। संघर्ष और साहस की कमी कहीं न कहीं दिखाई देती है। दरअसल, उदंत मार्तंड के घोषित उद्देश्य हिंदुस्थानियों के हित के हेत का अभाव आज की हिंदी पत्रकारिता में दिखाई दे रहा है। हालाँकि, यह भाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन बाजार के बोझ तले दब गया है। व्यक्तिगत तौर पर मैं मानता हूँ कि जब तक अंश मात्र भी देशहित पत्रकारिता की प्राथमिकता में है, तब तक ही पत्रकारिता जीवित है। आवश्यकता है कि प्राथमिकता में यह भाव पुष्ट हो, उसकी मात्रा बढ़े। समय आ गया है कि एक बार हम अपनी पत्रकारीय यात्रा का सिंहावलोकन करें। अपनी पत्रकारिता की प्राथमिकताओं को जरा टटोलें। समय के थपेड़ों के साथ आई विषंगतियों को दूर करें। समाचार-पत्रों या कहें पूरी पत्रकारिता को अपना अस्तित्व बचाना है, तब उदंत मार्तंड के उद्देश्य को आज फिर से अपनाना होगा। अन्यथा सूचना के डिजिटल माध्यम बढ़ने से समूची पत्रकारिता पर अप्रासंगिक होने का खतरा मंडरा ही रहा है।

असल में आज की पत्रकारिता के समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां मुंहबाएं खड़ी हैं। यह चुनौतियां पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से डिगने के कारण उत्पन्न हुई हैं। पूर्वजों ने जो सिद्धांत और मूल्य स्थापित किए थे, उनको साथ लेकर पत्रकारिता मिशन से प्रोफेशन की ओर जाती, तब संभवतः कम समस्याएं आतीं। क्योंकि मूल्यों और सिद्धांतों की उपस्थिति में प्रत्येक व्यवसाय में मर्यादा और नैतिकता का ख्याल रखा जाता है। किंतु, जैसे ही हम तय सिद्धांतों से हटते हैं, मर्यादा को लांघते हैं, तब स्वाभाविक तौर पर चुनौतियां सामने आने लगती हैं। नैतिकता के प्रश्न भी खड़े होने लगते हैं। यही आज मीडिया के साथ हो रहा है। मीडिया के समक्ष अनेक प्रश्न खड़े हैं। स्वामित्व का प्रश्न। भ्रष्टाचार का प्रश्न। मीडिया संस्थानों में काम करने वाले पत्रकारों के शोषण, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रश्न हैं। वैचारिक पक्षधरता के प्रश्न हैं। भारतीय भाव को तिरोहित करने का प्रश्न। इन प्रश्नों के कारण उत्पन्न हुआ सबसे बड़ा प्रश्न- विश्वसनीयता का है।

यह सब प्रश्न उत्पन्न हुए हैं पूँजीवाद और कम्युनिज्म के उदर से। सामान्य-सा फलसफा है कि बड़े लाभ के लिए बड़ी पूँजी का निवेश किया जाता है। आज अखबार और न्यूज चैनल का संचालन कितना महंगा है, हम सब जानते हैं। अर्थात मौजूदा दौर में मीडिया पूँजी का खेल हो गया है। एक समय में पत्रकारिता के व्यवसाय में पैसा बाय प्रोडक्ट था। लेकिन, उदारीकरण के बाद बड़ा बदलाव मीडिया में आया है। बाय प्रोडक्ट को प्रमुख मान कर अधिक से अधिक धन उत्पन्न करने के लिए धन्नासेठों ने समाचारों का ही व्यवसायीकरण कर दिया है। यही कारण है कि मीडिया में कभी जो छुट-पुट भ्रष्टाचार था, अब उसने संस्थागत रूप ले लिया है। वहीं, कम्युनिस्टों ने अपनी विचारधारा के प्रसार और भारतीयता को कमजोर करने के लिए पत्रकारिता को एक साधन के रूप में अपनाया। आज भी मीडिया में कम्युनिस्टों की पकड़ साफ दिखायी देती है। इसलिए वे जब चाहते हैं, भारत विरोधी विमर्श खड़े कर देते हैं।

इस्लामिक आक्रामकता पर पर्दा डालने और हिन्दुओं को सांप्रदायिक सिद्ध करने में कम्युनिस्ट पत्रकारों ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया है। अभी हाल ही में भोपाल में लव जिहाद का बड़ा मामला सामने आया, जिसमें आरोपी मुस्लिम लड़के भी स्वीकार कर रहे हैं कि हिन्दू लड़कियों को धोखे स फंसाना और उनका यौन शोषण करना, उनके लिए सवाब का काम है। जब हिन्दी के प्रमुख समाचारपत्रों ने मुस्लिम लड़कों की इस स्वीकारोक्ति को प्रकाशित किया, तब कम्युनिस्ट माइंडसेट के मीडियाकर्मियों को बहुत बुरा लगा। उन्होंने अपने संस्थानों के डिजिटल एवं प्रिंट संस्थानों में इसके खिलाफ लिखना शुरू कर दिया। मतलब सच सामने नहीं आना चाहिए। भले ही हिन्दू लड़कियां मजहबी दरिंदों का शिकार होती रहें। पता नहीं उन्हें सच्ची बात लिखना, सांप्रदायिकता और मुस्लिम विरोध क्यों लगता है? इस्लामिक अपराध पर पर्दा डालने के लिए इसी प्रकार के कम्युनिस्ट एक से बढ़कर एक चालाकियां दिखाते हैं। जब कोई मौलवी दुष्कर्म या किसी आपराधिक कृत्य में पकड़ा जाता है, तब ये उसके लिए मौलवी या औलिया नहीं अपितु साधु या बाबा शब्द का उपयोग करते हैं। लोगों को इसी प्रकार भ्रमित करने की पत्रकारिता कम्युनिस्टों ने की है। हिन्दुओं की मॉब लिंचिंग के समाचार को सिंगल कॉलम में कहीं छिपा दिया जाता है, जबकि मुस्लिम व्यक्ति की मॉब लिंचिंग पर भारत से लेकर अमेरिका तक के समाचारपत्रों के प्रथम पृष्ठ से लेकर संपादकीय पृष्ठ तक रच दिए जाते हैं। यह दोहरा आचरण ही दोनों समुदायों के बीच नफरत फैलाता है।

ऐसे ही कुछ तथाकथित विद्वानों ने यह भ्रम भी पैदा कर दिया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता की भूमिका विपक्ष की है। जिस प्रकार विपक्ष ने हंगामा करने और प्रश्न उछालकर भाग खड़े होने को ही अपना कर्तव्य समझ लिया है, ठीक उसी प्रकार कुछ पत्रकारों ने भी सनसनी पैदा करना ही पत्रकारिता का धर्म समझ लिया है। लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की विराट भूमिका से हटाकर न जाने क्यों पत्रकारिता को हंगामाखेज विपक्ष बनाने का प्रयत्न किया जा रहा है? यह अवश्य है कि लोकतंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए चारों स्तम्भों को परस्पर एक-दूसरे की निगरानी करनी है। पत्रकारिता को भी सत्ता के कामकाज की समीक्षा करनी है और उसको आईना दिखाना है। हम पत्रकारिता की इस भूमिका को देखते हैं, तब हमें वह हंगामाखेज नहीं अपितु समाधानमूलक दिखाई देती है। भारतीय दृष्टिकोण से जब हम संचार की परंपरा को देखते हैं, तब प्रत्येक कालखंड में संचार का प्रत्येक स्वरूप लोकहितकारी दिखाई देता है। संचार का उद्देश्य समस्याओं का समाधान देना रहा है।

पत्रकारिता का केवल एक ही पक्ष होना चाहिए-देशहित। कलम का जनता के पक्ष और देशहित में चलना ही उसकी सार्थकता है। पत्रकारिता में हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए कि हमारे शब्दों एवं प्रश्नों से राष्ट्र की प्रतिष्ठा पर आँच न आए। हमारी कलम से निकल बहने वाली पत्रकारिता की धारा भारतीय स्वाभिमान, सम्मान और सुरक्षा के विरुद्ध न हो। कहने का अभिप्राय इतना-सा है कि हमारी पत्रकारिता में राष्ट्र सबसे पहले का भाव जागृत होना चाहिए। वर्तमान पत्रकारिता में इस भाव की अनुपस्थिति दिखाई दे रही है। यदि पत्रकारिता में राष्ट्र सबसे पहले का भाव जाग गया तब पत्रकारिता के समक्ष आकर खड़ी हो गईं ज्यादातर चुनौतियां स्वतः ही समाप्त हो जाएंगी। हिंदी के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तंड का जो ध्येय वाक्य था-हिंदुस्थानियों के हित के हेत। अर्थात देशवासियों का हित-साधन। यही तो राष्ट्र सबसे पहले का भाव है। समाज के सामान्य व्यक्ति के हित की चिंता करना। उसको न्याय दिलाना। उसकी बुनियादी समस्याओं को हल करने में सहयोगी होना। न्यायपूर्ण बात कहना।

सहायक प्राध्यापक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश)

खबरों के साधन बढ़े पर खबर का स्तर गिरा

पत्रकारिता कभी मिशन था। आजादी के आंदेलन तक मिशन रहा। धीरे-धीरे इसमें व्यापारी आने लगे। औद्योगिक घराने उतर गए। इनका उद्देश्य समाज सेवा नही रहा, व्यापार हो गया। ये व्यापार करने लगे। वह छापने लगे जिस्से इन्हें लाभ हो। इन्होंने पत्रकारिता और अखबारों के नाम पर दुकानें खोल लीं। लेकिन इन्होंने समाज की जरूरतों का ध्यान रखा

-अशोक मधुप

भारत में पत्रकारिता एक समय पर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानी जाती थी। समाज की आवाज उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसकी भूमिका अविस्मरणीय रही है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में पत्रकारिता का स्तर चिंताजनक रूप से गिरा है, जबकि पत्रकारों की प्रसिद्धि, प्रभाव और पहुंच पहले से कहीं अधिक बढ़ी है। यह विरोधाभास क्यों? पत्रकार बड़े होते जा रहे हैं, पर पत्रकारिता क्यों सिकुड़ रही है? आज फेसबुक पत्रकार, न्यूज पोर्टल चलाने वाले पत्रकार ,यूटयूब चैनल चलाने वाले पत्रकारों की देश में बाढ़ सी आ गई है। दैनिक अखबार भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन समाचार पत्रों की रोज गिनती बढ़ती जा रही है। जिसे देखो पत्रकारिता कर रहा है। इतना सब होने के बावजूद पिछले कुछ साल में खबर की विश्वसनीय घटी है। पत्रकारिता का स्तर गिरा है। पत्रकार का सम्मान घटा है। पहले माना जाता कि अखबार में छपा है तो सही होगा, किंतु मीडिया में आई खबर की आज कोई गारंटी देने को तैयार नहीं। आज का पत्रकार खबर लिख रहा है किंतु खबर की गांरटी से भाग रहा है। वह यह दावा करने को कोई तैयार नही कि जो खबर उसने लिखी है, वह सही है। विश्वनीय है। जब तक खबरों को चेहरों से बड़ा नहीं समझा जाएगा और पत्रकारिता को फिर से जनसेवा के रूप में नहीं देखा जाएगा, तब तक यह गिरावट जारी रह सकती है।

पत्रकारिता के नए हाल पर न्यूज पोर्टल और यूटयूब चैनल पर चलती फर्जी खबरों का लेकर देश के लगभग 20 अखबारों ने एक अभियान शुरू किया है। इसके तहत वे प्रचार कर रहे हैं कि न्यूज पक्की और सच्ची खबर-प्रिंट मतलब पक्का सबूत। इन्होंने ये अभियान तो शुरू किया किंतु अभियान चलाते समय वे ये भूल गए कि वे भी फेसबुक और यूटयूब चैनल चला रहे हैं, इतना जरूर है कि इनके पास प्रोफेशनल की टीम है, इसलिए इनकी खबरें ज्यादा प्रभाणित है, ज्यादा विश्वसनीय हैं।

पत्रकारिता कभी मिशन था। आजादी के आंदेलन तक मिशन रहा। धीरे-धीरे इसमें व्यापारी आने लगे। औद्योगिक घराने उतर गए। इनका उद्देश्य समाज सेवा नही रहा, व्यापार हो गया। ये व्यापार करने लगे। वह छापने लगे जिस्से इन्हें लाभ हो। इन्होंने पत्रकारिता और अखबारों के नाम पर दुकानें खोल लीं। लेकिन इन्होंने समाज की जरूरतों का ध्यान रखा। करोड़ों रुपए लगाकर ये सर्वे कराते कि किस उम्र का पाठक क्या पढ़ना चाहता है, उस रिपोर्ट के आधार पर ये खबरे कराते। लेख लिखाते। बस अपने हितों का ध्यान रखते। इन प्रतिष्ठानों को पैसा मिलने लगा तो इनसे जुड़े पत्रकारों और कर्मचारियों को आकर्षक वेतन और कमीशन मिलने लगे। मिशन की भावना पत्रकारिता से गायब हो गई। मीडिया संस्थान अब स्वतंत्र नहीं रहे। बड़े मीडिया हाउस कॉरपोरेट पूंजी से संचालित हो रहे हैं और कई बार सरकार के नजदीक दिखते हैं। इससे खबरों की निष्पक्षता और निर्भीकता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। नतीजा–जांच रिपोर्टिंग, जमीनी सच्चाई और सत्ता से सवाल पूछने की परंपरा लगभग गायब होती जा रही है। गांव देहात से छोटेहमोटे पत्रकार अब भी मिशन के तहत लगे थे। डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम के किस्से भी स्थानीय ऐसे ही एक सांध्य दैनिक समाचार पत्र से प्रकाश में आए। सिरसा के सांध्य दैनिक 'पूरा सच' के संपादक रामचंद्र छत्रपति, राम रहीम और डेरा सच्चा सौदा पर आश्रम में होरही खबरें लिख रहे थे। वहां हो रहे कारनामों का भांडाफोड़ कर रहे थे। उन रामचंद्र छत्रपति को गोलियां मारी गईं। हत्या करा दी गई। आरोप राम रहीम पर आया। सीबीआई जांच हुई और अपराध साबित हुआ।

समय तेजी से बदल रहा है। आज पत्रकार अपना न्यूज पोर्टल ही नही चला रहे। यूटयूब चैनल चला रहे है। फेसबुक लाइव पर लगे है। रोज नए ब्लागर पैदा हो रहे है। आज का पत्रकार खुद एक ब्रांड बन चुका है। सोशल मीडिया ने रिपोर्टिंग को व्यक्ति-केंद्रित बना दिया है। पहले खबरें केंद्र में होती थीं, अब पत्रकार। टीवी डिबेट्स और यूट्यूब चैनलों पर पत्रकार अपनी पहचान, विचारधारा और नाटकीयता को प्राथमिकता देते हैं। खबर से ज्यादा चर्चित चेहरा बनना आज का लक्ष्य बन गया है। पहले विज्ञापन के लिए उद्योगपतियों की ओर देखना पड़ता था, अब ऐसा नही है। अब आपकी साम्रग्री के हिसाब से गूगल भुगतान कर रहा है। जिनकी सामग्री अलग और नई है, वे मौज ले रहे हैं। इससे सबसे ज्यादा नुकसान ये हुआ कि कुछ अपने लाइक लेने, व्यूज और टीआरपी की दौड़ में मीडिया अतिरंजित खबरे चला रहा है। उसे खबरों के पुष्ट करने का समय नही। फर्जी खबरे चल रही हैं। अभी आपरेशन सिंदूर के दौरान किसी ने खबर चला दी कि भारतीय सैना पाकिस्तान में प्रवेश कर गई तो एक ने चला दिया कि भारत का लाहौर पर कब्जा हो गया। जबकि ऐसा कुछ नही था।

डिजिटल युग में टीआरपी और व्यूज ही सफलता का पैमाना बन गए हैं। गंभीर पत्रकारिता की जगह सनसनीखेज खबरें, गॉसिप, और डिबेट तमाशा ने ले ली है। तथ्य की जगह धारणा, विश्लेषण की जगह उत्तेजना, और संवाद की जगह शोर ने कब्जा कर लिया है। एंकर शोर मचाकर चीखकर पाठकों को आकृषित करन में लगे हैं। खबरों के हैंडिग गलत लगाकर पाठक को खबर पढ़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जबकि खबरों में हैंडिंग के अनुरूप कुछ नही होता। इससे पत्रकारिता का स्तर और विश्वसनीयता तेजी से गिर रही है। अखबारों में झूठी खबरों को रोका जाता था। कोशिश रहती कि खबरों की विश्वसनीयता बनी रहे।

व्यक्तिवादी तंत्र में अब ऐसा नही हो रहा। जल्दी दिखाने की होड़ में और टीआरपी बटोरने के लिए आधी-अधूरी खबरे चलने लगी है। मुंबई पर आतंकवादी हमले और कंधार विमान अपहरण कांड के दौरान मीडिया ने कुछ ऐसी खबरे चलाईं जिससे दुश्मन और आंतकवादियों को ज्यादा लाभ हुआ। इन्होंने देश हित नही देखा। मुंबई हमले को चैनल द्वारा लाइव दिखाने के कारण पाकिस्तान में बैठे हमलावरों के आका चैनल देखकर आंतकवादियों को दिशा निर्देश दे रहे थे। इसकी आलोचना भी हुई। मीडिया के लिए दिशा-निर्देश बनाने की मांग भी हुई।

धीरे-धीरे गांव-कस्बों की खबरें गायब हो चुकी हैं। रिपोर्टर अब स्टूडियो में बैठकर 'नेरेटिव' बनाते हैं। ग्राउंड पर जाने की जहमत नहीं उठाते। इससे पत्रकारिता का मूल उद्देश्य–जनता की आवाज को मंच देना–कमजोर हो गया है। अब ये जरूरी होता जा रहा है कि मीडिया में आने वाले पत्रकारिया या वीडियो पत्रकारिता का प्रशिक्षण लेकर आए। नए शासनादेश, देश हित और कानून की उन्हें जानकारी हो। सरकार द्वारा प्रत्येक पत्रकार के लिए ये प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिए। बार कौंसिल की तरह पत्रकार कौंसिल जैसी संस्था बने जो पत्रकारों पर नजर रखे। उनके लिए दिशा-निर्देश तैयार करे। ऐसा होता है तो सरकार को मीडिया पर नियंत्रण की जरूरत नही पड़ेगी। वरन सरकार को इस पर नियंत्रण के लिए कभी न कभी दिशा निर्देश जारी ही करने होंगे। जैसे की अभी आपरेशन सिंदुर के समय जारी किये गए। नवोदित पत्रकारों के लिए पत्रकारिता अब 'मिशन' नहीं बल्कि 'कैरियर' बनती जा रही है। कई संस्थानों में उन्हें बहुत कम वेतन पर काम कराया जाता है, जिससे उनमें पेशे के प्रति समर्पण घटता है। वहीं वरिष्ठ पत्रकारों का आभा मंडल इतना विशाल हो गया है कि नए लोगों को उभरने का मौका कम मिलता है। इसलिए जरूरत है कि स्वतंत्र पत्रकारिता को बढ़ावा मिले। पब्लिक फंडिंग या सब्सक्रिप्शन आधारित मॉडल को प्रोत्साहित किया जाए।नए पत्रकारों को प्रशिक्षण और संरक्षण मिले। ग्राउंड रिपोर्टिंग को बढ़ावा दिया जाए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

पुतिन ने मजाक बनाया, मस्क ने हाथ छुड़ाया, कोर्ट ने टैरिफ प्लान अटकाया

(एजेन्सी)।

अमेरिका। जिस दिन से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को धमकी देनी शुरू की है। उसी दिन से डोनाल्ड ट्रंप की किस्मत उनका साथ छोड़ती दिख रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक के बाद एक बड़े झटके लग रहे हैं। अब तो कई बड़े बड़े अमेरिकी एक्सपर्ट्स भी भारत विरोधी कदम उठाने के लिए ट्रंप को कोस रहे हैं। एक अमेरिकी एक्सपर्ट ने कहा कि भारत दुनिया का एकलौता 88 घंटे में पाकिस्तान से जंग जीत ली। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप अभी भी पाकिस्तान के साथ खड़े हैं। अब इसे कर्मों का फल कहेंगे कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक साथ कई बुरी खबरें आई हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लिए पहली और सबसे बुरी खबर रूस से आई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप पर सबसे बड़ा हमला बोल दिया है। अमेरिका और रूस के बीच जुबानी जंग तेज हो चुकी है। पुतिन पर ट्रंप की टिप्पणी के बाद अब रूस भड़क गया है। पुतिन की तरफ से तीसरे विश्व युद्ध की धमकी दी गई है और साफ कहा गया है कि ट्रंप जिस तरीके से बयानबाजी कर रहे हैं, जिस तरीके से भिड़ने की कोशिश कर रहे हैं, उसका नतीजा सिर्फ एक दिखाई दे रहा है और वो तीसरा विश्व युद्ध है।

ट्रंप ने कहा था कि रूसी राष्ट्रपति यूक्रेन के साथ युद्ध विराम वार्ता में शामिल होने से इनकार करके आगे आग से खेल रहे हैं। अगर वे नहीं होते तो रूस में बहुत सारी बुरी चीजें पहले ही हो चुकी होती। ट्रंप ने पुतिन को पागल तक कह दिया था। अब व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप के अहंकार पर सबसे बड़ी चोट की है। पुतिन ने ट्रंप को सीधे सीधे चुनौती दी है। खबर है कि ट्रंप रूस पर यूक्रेन के साथ जबरदस्ती सीजफायर करने का दबाव बना रहे थे। ट्रंप ने यूक्रेन को रूस से बचाने के लिए पर्दे के पीछे जेलेंस्की से एक डील कर ली है। इस डील के तहत जेलेंस्की सीजफायर के बाद ट्रंप को यूक्रेन के खनीज भंडार दे सकते हैं। लेकिन पुतिन ने इसे रूस के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। पुतिन ने साफ कर दिया कि वो जल्दबाजी में कोई सीजफायर नहीं करेंगे।

पुतिन के इस बयान के बाद ट्रंप भड़क गए। रिपोर्ट बताती है कि पुतिन के इस बयान के बाद ही ट्रंप के कहने पर यूक्रेन ने मॉस्को एयरपोर्ट पर हमले कर दिए। यूक्रेन ने पुतिन के हेलीकॉप्टर पर भी हमला कर दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्लेन को उड़ाने के लिए यूक्रेन की तरफ से ताबड़तोड़ ड्रोन दागे गए। ड्रोन से ऐसा हमला किया गया कि पुतिन इसकी चपेट में आ जाते तो तुरंत उनकी मौत हो जाती। लेकिन इन सब से बेपरवाह पुतिन ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के बाद रूस ने यूक्रेन के चार और गांवों पर कब्जा कर लिया। यानी रूस ने अभी तक यूक्रेन की जितनी जमीन कब्जाई थी उनमें अब यूक्रेन के चार गांव और जोर लिए।

ट्रंप को दूसरा झटका उनके ही दोस्त से मिला है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक्स पर पोस्ट करते हुए ये ऐलान कर दिया कि वो ट्रंप सरकार में डीओजीई का पद छोड़ रहे हैं। एलन मस्क ने एक्स पर लिखा कि मेरा विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा निर्धारित समय समाप्त हो रहा है, मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को व्यर्थ व्यय को कम करने के अवसर के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। DOGE मिशन समय के साथ और मजबूत होता जाएगा क्योंकि यह पूरे सरकार में जीवन का एक तरीका बन जाएगा। बहरहाल, एलन मस्क ने तो इतना ही बताया। लेकिन अंदर की खबर ये है कि एलन मस्क डोनाल्ड ट्रंप से नाराज हैं। एलन मस्क का मानना है कि जिस फिजूल खर्ची को रोकने के लिए उन्हें चुना गया था। वहीं फिजूल खर्च ट्रंप खुद कर रहे हैं।

ट्रंप को तीसरा झटका अमेरिका की कोर्ट ने दे दिया है। अमेरिका की एक संघीय व्यापार अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आयातित वस्तुओं पर नए टैरिफ लगाने से रोक दिया है और कहा है कि उन्होंने कानून द्वारा उन्हें दी गई शक्तियों का अतिक्रमण किया है। मामला 2 अप्रैल को ट्रम्प द्वारा घोषित टैरिफ के बारे में था। इन टैरिफ में ज्यादातर आयातों पर 10% कर जोड़ा जाता, साथ ही चीन और यूरोपीय संघ से आने वाले सामानों पर और भी ज्यादा कर लगाया जाता। उन्होंने इस योजना को लिबरेशन डे बताया था। हालांकि बाद में उन्होंने अन्य देशों के साथ सौदे करने की कोशिश करते हुए कुछ हाई टैरिफ को होल्ड कर दिया। हालाँकि, न्यूयॉर्क स्थित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय के तीन न्यायाधीशों के एक पैनल ने फैसला सुनाया कि ट्रम्प को अकेले इस तरह के व्यापक टैरिफ परिवर्तन करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

आईबीएम ने 8000 कर्मचारियों को दिखाया बाहर का रास्ता

(एजेन्सी)।

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी आईबीएम में बड़ी छंटनी हो गई है। कंपनी ने कथित तौर पर 8000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी ने सबसे अधिक छंटनी की तलवार मानव संसाधन विभाग में चली है। छंटनी के पीछे का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को बताया गया है।

बिजनेस टुडे की रिपोर्ट की मानें तो टेक कंपनी आईबीएम ने लगभग 8000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। नौकरी से निकाले जाने वालों में अधिकतर एचआर विभाग के कर्मचारी है। ये भी बताया गया है कि अमेरिका स्थित कंपनी का ये कदम अपने संचालन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल करने के तौर पर उठाया गया है। इस महीने की शुरूआत में आईबीएम ने लगभग 200 एचआर पदों को एआई से रिप्लेस किया था। अब से आम जनता के बार बार पुछ जाने वाले सवालों का जवाब अब एआई के जरिए दिया जाएगा। वहीं एआई कागजी कार्रवाई को कम करने और एचआर डेटा को मैनेज करने में भी सक्षम है। ये लागत को कम करने और वर्क एबिलिटी को बढ़ाने के लिए डियाइन की गई है।

आईबीएम ने कई हजारों नौकरियों को खत्म कर दिया है। इसके बाद दिग्गज टेक कंपनी के वर्कफोर्स मैनेजमेंट ने ये बताया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्ण ने कहा कि एआई को कंपनी में अपनाया जा रहा है ताकि एंटरप्राइज वर्कफ्लो को मैनेज किया जा सके। छंटनी को लेकर उन्होंने कहा कि कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या असल में बढ़ रही है।

काजोल अपनी बेटी को बचाने के लिए राक्षस से करेंगी लड़ाई

(एजेन्सी)। अभिनेत्री काजोल की अगली फिल्म 'माँ' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें वह अपनी बेटी को राक्षसों से बचाती नजर आ रही हैं। काजोल फिल्म 'माँ' से हॉरर फिल्मों में डेब्यू कर रही हैं। ट्रेलर काफी दमदार है। इसकी शुरूआत काजोल से होती है, जबकि उनकी बेटी कार चला रही होती है। बाद में, माँ और बेटी एक अनजान जगह पर पहुँचती हैं, जहाँ उन्हें एक असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। जहाँ 'शैतान' में हमने अजय को अपनी ऑन-स्क्रीन बेटी को आर माधवन से बचाते हुए देखा था, वहीं यहाँ काजोल अपनी बेटी को एक पेड़ पर रहने वाले एक अनजान राक्षस से बचाती नजर आ रही हैं। फिल्म के ट्रेलर की शुरूआत काजोल से होती है, जो अपनी बेटी को पीछे की सीट पर चुपचाप बैठाकर कार चला रही होती हैं। जैसे ही दोनों एक अनजान जगह पर पहुँचती हैं, वे जल्द ही खुद को एक अजीबोगरीब स्थिति में पाती हैं। वे एक ऐसे गाँव में पहुँचती हैं जहाँ पिछले चार महीनों से लड़कियाँ गायब हो रही हैं। इस दौरान काजोल अपनी बेटी को एक पेड़ पर रहने वाले राक्षस से बचाती नजर आती हैं, जिसका नाम है दोइतो। फिल्म में रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह और सूर्य शिखा दास भी हैं। काजोल की यह फिल्म एक हॉरर, सुपरनैचुरल ड्रामा है। फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। फिल्म का निर्माण देवगन फिल्म्स ने किया है। फिल्म मां 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सात्विक और चिराग सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में

(एजेन्सी)।

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल टीम ने गुरुवार को सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21 21-16 21-19 से जीत हासिल की। अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से होगा। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद वापसी कर रही भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यूफेई के खिलाफ 65 मिनट चले कड़े मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसक चुकी सिंधू ने दूसरे गेम में अपनी पुरानी फॉर्म दिखाई। उन्होंने 19-12 की बढ़त बनाने के बाद दूसरा गेम 21-18 से जीता। हालांकि तीसरे और निर्णायक गेम में चीन की खिलाड़ी ने अपने दमदार स्मैश और कोर्ट पर बेहतर नियंत्रण बनाते हुए मैच जीत लिया।

पहले दौर में कनाडा की वेन यू झेंग के खिलाफ 21-14, 21-9 से जीत दर्ज करने वाली सिंधू दूसरे दौर में इस लय को बरकरार रखने में नाकाम रहीं। पुरुष एकल में भी भारत को निराशा हाथ लगी जब एचएस प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ 16-21 14-21 से हारकर बाहर हो गए। भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को महिला युगल के दूसरे दौर में चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान की जोड़ी से 8-21, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। वहीं रोहन कपूर और रूत्विका शिवानी गाडे की मिश्रित युगल जोड़ी भी हारकर बाहर हो गई जिन्हें हांगकांग की टांग चुन मान और से यिंग सुएत की जोड़ी ने 31 मिनट में 21-10, 21-16 से पराजित किया।

हरपाल चीमा ने यूनियनों को दिया भरोसा; 'आप' सरकार उनकी जायज मांगों पर सक्रियता से कर रही है कार्रवाई

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में बनी कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा आज विभिन्न कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण सिलसिलेवार बैठकें की गईं। इन बैठकों के दौरान यूनियनों की जायज समस्याओं के समाधान के लिए विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया ताकि इनका शीघ्र और उपयुक्त हल निकाला जा सके।

व्यापक विचार-विमर्श में भाग लेने वाली यूनियनों में पावरकॉम और ट्रांसको कॉन्ट्रैक्ट एम्पलाईज यूनियन, होम गार्ड एसोसिएशन, पंजाब पुलिस कोरोना वॉरियर्स यूनियन, सरकारी आई.टी.आई. कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी यूनियन, सर्व समग्र शिक्षा अभियान (मिड-डे मील) दफ्तरी कर्मचारी यूनियन, मुड बहाल कच्चे अध्यापक यूनियन, विशेष अध्यापक (आई ई आर टी) यूनियन और मास्टर कैडर यूनियन शामिल थीं।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने यूनियनों के प्रतिनिधियों से गहराई से बातचीत करते हुए उन्हें अपनी चिंताओं और मांगों को विस्तृत रूप से रखने के लिए आवश्यक मंच प्रदान किया। इन बैठकों के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे ताकि यूनियनों द्वारा उठाए गए मुद्दों और मांगों पर विभाग की राय और वर्तमान स्थिति पर चर्चा की जा सके।

बैठकों के बाद वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की अपने कर्मचारियों की शिकायतों के समाधान के लिए अटल प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार ने एक दशक से अधिक समय से संघर्ष कर रही कई कर्मचारी यूनियनों के साथ सक्रियता से बातचीत कर उनके मुद्दों का समाधान करने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने यूनियनों के प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनकी जायज मांगों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है ताकि न्यायसंगत और आवश्यक समाधान निकाला जा सके।

बैठकों के दौरान पावरकॉम और ट्रांसको कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलिहार सिंह, होम गार्ड एसोसिएशन के प्रधान गुरदीप सिंह, पंजाब पुलिस कोरोना वॉरियर्स यूनियन के प्रधान गुरबाज सिंह, सरकारी आई.टी.आई. कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी यूनियन के प्रधान सेवा सिंह, सर्व समग्र शिक्षा अभियान (मिड-डे मील) दफ्तरी कर्मचारी यूनियन के प्रधान कुलदीप सिंह, मुड बहाल कच्चे अध्यापक यूनियन के प्रधान विशाल साहनी, विशेष अध्यापक (आई ई आर टी) यूनियन के प्रधान रमेश कुमार और मास्टर कैडर यूनियन के प्रधान वाशिंगटन सिंह ने अपनी-अपनी यूनियनों की ओर से पक्ष रखा।

बरौनी प्रखंड के सभी पंचायतों में चलाया जायेगा 12 यूनिट पौधारोपण अभियान: मुकेश

एसबी ब्यूरो

बरौनी/ बेगूसराय। बरौनी प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायतों में ग्रामीण विकास विभाग के विभागीय पत्र के अनुसार सार्वजनिक एवं निजी भूमि पर 12 यूनिट पौधारोपण अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत महोगनी, अर्जुन, आंवला, नींबू, सहजन, अमरूद इत्यादि का पौधारोपण किया जायेगा। बरौनी प्रखंड के मनरेगा पीओ मुकेश ने बताया कि एक यूनिट में 200 पौधे होते है। उन्होंने बताया कि 90 प्रतिशत पौधे की उत्तर जीविता के आधार पर वन पोषक को मजदूरी भुगतान किया जाता है। इस संबंध में सभी किसानों ग्राम पंचायत वासियों से अनुरोध है कि अपने निजी भूमि या सार्वजनिक भूमि पर पौधारोपण हेतु इच्छुक आवेदक पंचायत, पंचायत रोजगार सेवक एवं मनरेगा प्रखंड कार्यालय में आवेदन दे सकते है। 05 जून 2025 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण का शुभारंभ किया जायेगा। इस कार्य में जनभागीदारी अनिवार्य है।

हर महीने की 10 तारीख को लगेंगे वितरण कैम्प: रविन्द्र इन्द्राज

दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व अन्य उपकरणों का वितरण

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने गुरुवार को महर्षि वाल्मीकि अस्पताल के ऑडिटोरियम में सुगम्य सहायक योजना के तहत दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व अन्य सहायक उपकरणों का वितरण किया। रविन्द्र इन्द्राज ने कहा की समाज कल्याण विभाग अब हर महीने की 10 तारीख को वितरण कैम्प का आयोजन करेगा, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना का लाभ लेने से वंचित न रह जाए। समाज कल्याण मंत्री ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त दिव्यांग, समर्थ भारत संकल्प की दिशा में पिछले तीन महीनों में सुगम्य सहायक योजना के तहत सभी 10 जिलों के लाभार्थियों को लगभग 400 सहायता उपकरण दिए गए हैं।

अब सुगम्य सहायक योजना के अंतर्गत हर माह की 10 तारीख को मूल्यांकन शिविरों का आयोजन करने के विभाग को निर्देश दिए गए हैं, जिसकी शुरूआत जुलाई 2025 से होनी है। हर महीने एक जिले में यह शिविर लगेगा, इसमें दिल्ली के किसी भी कोने से पात्र लाभार्थी इन शिविरों में आकर योजना का लाभ उठा सकेंगे, स्थान को लेकर कोई दिक्कत नहीं होगी। रविन्द्र इन्द्राज ने कहा की सरकार सुविधा भी देती है और सुनवाई भी करती है। दिव्यांग व्यक्तियों के लिए राज्य आयुक्त के रिक्त पद को भरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह वैधानिक पद लगभग डेढ़ वर्ष से खाली है।

रविन्द्र इन्द्राज ने कहा की दिव्यांगों को बेहतर और आधुनिक उपकरण देने के लिए हाल ही में उन्होंने कानपुर स्थित भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम का प्लांट विजिट किया। सरकार का प्रयास है की दिव्यांगों को अच्छी गुणवत्ता वाले उपकरण देकर आत्मनिर्भर बनने में योगदान दे।

जनपद बदायूं में चलाया गया बाल श्रम अभियान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। गुरुवार को नेकपुर, स्टेशन रोड, काली सड़क, मथुरिया तिराह, बदायूँ में बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति के कार्य में संलग्न बच्चों हेतु बालक/किशोर श्रम अभियान का संचालन किया गया है। बालक/किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया व सेवायोजकों के विरूद्ध मौके पर नोटिस जारी किये गये। अभियान में कुल 06 किशोर श्रमिक चिन्हित किये गये। अभियान के अन्तर्गत सेवायोजकों को बाल श्रम के विरूद्ध जागरूक भी किया गया। बाल श्रमिकों को नियोजित करने वाले सेवायोजकों को दोषी पाये जाने पर रू0-50,000/- तक जुर्माना एवं 02 वर्ष तक के कारावास से दण्डित किया जा सकता है।

अभियान का संचालन सतेन्द्र कुमार मिश्र श्रम प्रवर्तन अधिकारी बदायूँ के नेतृत्व में किया गया तथा टीम के साथ श्रम विभाग से विचित्र कुमार सक्सेना वरिष्ठ सहायक, रूबेश यादव, गोपू दास, एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग यूनिट से थाना अध्यक्ष, उपदेश कुमार उप निरीक्षक हैड कॉन्सटेवल कुलदीप मिश्रा, कु0 रितु आदि मौजूद रहे।

शहीदों के परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है पंजाब की मान सरकार: मोहिंदर भगत

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/जालंधर। पंजाब के रक्षा सेवा कल्याण, स्वतंत्रता सेनानी और बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने आज कहा कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के कल्याण, सम्मान और समृद्ध जीवन को सुनिश्चित करने के लिए वचनबद्ध है और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

वह आज यहां जिला रक्षा सेवाए कल्याण दफ्तर में पंजाब सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में पंजाब सरकार द्वारा पिछले दो वर्षों में गौरव और कृतज्ञता योजना के तहत शहीदों के परिवारों को दी गई सरकारी नौकरियों के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल और रक्षा सेवाएं कल्याण पंजाब के निदेशक ब्रिगेडियर भूपिंदर सिंह ढिल्लों (सेवानिवृत) भी मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने शहीद सैनिकों के आश्रितों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए कई सैन्य समर्थकीय पहल की हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जहां शहीदों के वारिसों के लिए एक्स-ग्रेशिया राशि बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दी है, वहीं पिछले दो सालों में 25 आश्रितों को विभिन्न संस्थाओं में सरकारी नौकरियां दी गई है। उन्होंने कहा कि भले ही यह मदद परिवार के नुक्सान की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अपना कर्तव्य निभा रही है कि उनकी आय का स्रोत बरकरार रहे और वे अपना जीवन बेहतर ढंग से जी सकें।

श्री भगत ने कहा कि देश हमेशा उन पूर्व सैनिकों का ऋणी रहेगा जिन्होंने सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। देश की रक्षा करने वालों को बनता मान-सम्मान व सुविधाएं देने की वचनबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार शहीदों व पूर्व सैनिकों के आश्रितों के मसलों को हल करने के लिए कटिबद्ध है और इसी वचनबद्धता के तहत स्थानीय सैनिक कल्याण दफ्तर में फील्ड दफ्तर शुरू किया गया है।

इसके अलावा विभिन्न जिलों में पूर्व सैनिकों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनकर उनका समाधान किया जा रहा है।

इस अवसर पर उन्होंने शहीदों के पारिवारिक सदस्यों की समस्याएं भी सुनीं और उन्हें उचित समाधान का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने पूर्व सैनिकों से पंजाब सरकार द्वारा नशे के खिलाफ शुरू की गई मुहिम ह्ययुद्ध नशे के विरुद्ध में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपनी बहुमूल्य सेवाएं दी हैं, उसी तरह वे नशे के खिलाफ मुहिम में भी पंजाब सरकार का डटकर साथ दें ताकि इस बुराई को जड़ से खत्म किया जा सके।

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि सरकारी दफ्तरों में शहीदों व पूर्व सैनिकों के परिवारों का मान-सम्मान बरकरार रखा जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

जिला रक्षा सेवाएं कल्याण अधिकारी कमांडर बलजिंदर सिंह विर्क (सेवानिवृत) ने पंजाब सरकार की ओर से शहीदों व पूर्व सैनिकों के परिवारों को विभिन्न योजनाओं के तहत दिए जाने वाले लाभों में बढ़ोतरी तथा नई लागू की गई योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

आज के राज्य स्तरीय समारोह में जिला फतेहगढ़ के गांव कायपूर अरायण अमलोह के शहीद नायक गुरजंट सिंह, गांव बदेशे मलेरकोटला के शहीद सिपाही गुरप्रीत सिंह, शहीद एच.सी./जी.डी. मीठा सिंह, 36वीं बटालियन सीआरपीएफ, जिला मानसा, शहीद सिपाही प्रभजोत सिंह, गांव बूडॉ गुज्जर, जिला श्री मुक्तसर साहिब, शहीद नायक मनदीप सिंह, गांव चट्ठा, जिला गुरदासपुर, शहीद नायक गज्जन सिंह, पचरंडा, जिला रूपनगर, शहीद हवलदार गुरनिंदर सिंह, गांव गनुरा, जिला रूपनगर, शहीद सिपाही अमरदीप सिंह, गांव करमगढ़, जिला बरनाला, शहीद सिपाही वरिंदर सिंह, लहरागागा, जिला संगरूर, शहीद गनर जसबीर सिंह, गांव वैइपूई, जिला तरनतारन, नायक गुरजंट सिंह, शोरेया चक्र, (मरणोपरांत) गांव रल्ला, जिला मानसा, शहीद सिपाही जसमन सिंह, गांव ढिलवां, जिला बरनाला, शहीद इंस्पेक्टर मोहिंदर सिंह, नारायणगढ़, जिला अमृतसर, शहीद सिपाही राजेश कुमार, गांव जंडियाली, जिला लुधियाना, शहीद सिपाही जगसीर सिंह, गांव लोहगढ़ ठाकरावाला, जिला फिरोजपुर, शहीद लांस कुलदीप सिंह, बठिंडा, शहीद लांस कॉर्पोरल नायक कुलदीप सिंह गांव लाहोके कलां, जिला फिरोजपुर, शहीद सिपाही पलविंदर सिंह, गांव ढींडसा, जिला लुधियाना, शहीद नायब सूबेदार ओंकार सिंह, गांव नाजोवाल, जिला पठानकोट, शहीद हवलदार अमृतपाल सिंह, गांव ढपई, जिला फरीदकोट, शहीद हेड कांस्टेबल दुल्ला सिंह, गांव मनिहाला, जय सिंह, जिला तरनतारन, शहीद हेड कांस्टेबल सतबीर सिंह, गांव फतेहपुर, सियालबा, जिला एसएएस नगर, शहीद लांस नायक करनैल सिंह, गांव लोहाखेड़ा, जिला संगरूर, शहीद सिपाही प्रदीप सिंह, गांव बल्लमगढ़, जिला पटियाला और शहीद सेवक सिंह, गांव बाघा, जिला बठिंडा के आश्रितो सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर रक्षा सेवा कल्याण विभाग, पंजाब के पूर्व निदेशक ब्रिगेडियर मनजीत सिंह (सेवानिवृत), जिला प्रशासन के उच्च अधिकारी, पूर्व सैनिक तथा विभिन्न जिलों से रक्षा सेवा कल्याण विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

किसान हितैषी लैंड पूलिंग नीति का उद्देश्य राज्य के विकास को बढ़ावा देना है: मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

बठिंडा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि नई लैंड पूलिंग योजना का उद्देश्य किसानों के लिए स्थायी आय का स्रोत प्रदान करना है क्योंकि कृषि अब लाभकारी व्यवसाय नहीं रही।

यहां किसानों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लैंड पूलिंग योजना का उद्देश्य किसानों के लिए आय का स्थायी स्रोत पैदा करके उन्हें राज्य के विकास और प्रगति में सक्रिय भागीदार बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य में किसी भी किसान की जमीन जबरदस्ती अधिग्रहित नहीं की जाएगी और केवल सहमति देने वाले किसान ही इस नीति के तहत अपनी जमीन देंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस नीति के अनुसार किसानों को मुआवजे के अलावा इस योजना में वाणिज्यिक और आवासीय प्लॉट भी मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लैंड पूलिंग योजना में बनाई जाने वाली नियोजित कॉलोनियों में वाणिज्यिक संपत्ति किसानों के लिए स्थायी आय का साधन होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नई लैंड पूलिंग नीति का उद्देश्य राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह योजना राज्य के समग्र विकास को बड़ा बढ़ावा देकर प्रत्येक आम आदमी को लाभ पहुंचाएगी। भगवंत सिंह मान ने सभी को आश्वासन दिया कि किसी की भी जमीन जबरदस्ती नहीं छीनी जाएगी और अधिग्रहित जमीन पर सारा विकास कानूनी और पारदर्शी ढंग से होगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पंजाब में देश भर में सबसे अधिक अवैध कॉलोनियां हैं, जिसके लिए पिछली सरकारें जिम्मेदार हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन कॉलोनियों में कोई भी बुनियादी नागरिक सुविधाएं नहीं हैं, जिस कारण लोगों को दुख-तकलीफें झेलनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों के बेतरतीब विस्तार को रोकने के लिए लैंड पूलिंग योजना पेश की गई है, जिसमें जमीन मालिक का पूरा अधिकार होगा कि वह इसे अपनाए या न अपनाए।

चुनाव प्रक्रिया की मजबूती और वोटरों की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पिछले 100 दिनों में 21 पहलकदमियां शुरू: सिबिन सी

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी सिबिन सी ने बताया है कि वोटरों के अनुभव को बेहतर बनाने और चुनाव प्रबंधन को और ज्यादा सुचारू करने के लिए एक बड़ी पहलकदमी के तौर पर भारत निर्वाचन आयोग ने पिछले 100 दिनों में 21 नयी पहलकदमियां शुरू की हैं। इन कदमों में प्रक्रियात्मक सुधार, प्रशिक्षण प्रोग्राम और भाईवालों की शमूलियत को यकीनी बनाना शामिल है।

26वें मुख्य चुनाव कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के पद संभालने के पहले 100 दिनों में कई उद्देश्यपूर्ण, व्यावहारिक और सक्रिय कदम उठाए गए हैं। ईसीआइ को और मजबूती देने के उद्देश्य के साथ मार्च 2025 में हुई मुख्य चुनाव अधिकारियों की कान्फ्रेंस के दौरान कमिश्नर डा. सुखबीर सिंह संधु और डा. विवेक जोशी की मौजूदगी में इसका दृष्टिकोण तैयार किया गया था।

वोटरों की पहुँच को बेहतर बनाने के लिए, ईसीआइ ने प्रति पोलिंग स्टेशन वोटरों की अधिक से अधिक संख्या 1500 से घटा कर 1200 कर दी है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों जैसे कि गेटड कम्यूनिटियों और ऊँची इमारतों में अतिरिक्त पोलिंग बूथ स्थापित किये जाएंगे। कमीशन का मकसद यह यकीनी बनाना है कि किसी भी वोटर को अपनी वोट डालने के लिए 2 किलोमीटर से अधिक सफर न करना पड़े।

वोटर जानकारी स्लिपों को स्पष्टता के लिए दोबारा डिजाइन किया गया है, जिसमें सिरियल और पार्ट नंबरों को सरल ढंग से दशार्या गया है। वोटरों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर हरेक पोलिंग स्टेशन के प्रवेश द्वार पर मोबाइल डिपाजिट सुविधा स्थापित की जायेगी। उम्मीदवारों को अब पोलिंग स्टेशन के प्रवेश द्वार से 200 मीटर की दूरी की जगह पर सिर्फ. 100 मीटर दूरी पर बूथ लगाने की आज्ञा दी जायेगी।

उपभोक्ता के लिए एक सरल इंटरफेस की सुविधा के लिए सिंगल-प्वाइंट नया एकीकृत डैशबोर्ड - ईसीआईऐनईटी विकसित किया गया है जिसका उद्देश्य मौजूदा 40$ ऐपस/वैबसाईटों की बजाय, सभी हिस्सेदारों के लिए एक ही जगह पर सभी सेवाएं प्रदान करना है। ईसीआइऐनईटी के कुछ माड्यूल मौजूदा उप-मतदान में उपलब्ध करवाए जाएंगे और बिहार विधान सभा मतदान के समय तक पूरा डैशबोर्ड अलग-अलग हिस्सेदारों के द्वारा प्रयोग के लिए उपलब्ध होगा।

ईसीआइ ने भारत के रजिस्ट्रार जनरल से मौत रजिस्ट्रेशन डेटा का सीधा एकीकरण शुरू किया है जिससे मृतक वोटरों को सूचियों में से समय पर और प्रमाणित ढंग के साथ हटाया जा सके। बूथ स्तर अफसर तस्दीक में पहले की तरह ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हुये फील्ड- स्तरीय जांच कार्यवाहियों के बाद जानकारी को अपडेट करना यकीनी बनाऐंगे। आरपी एक्ट, 1950 में बताए अनुसार उप-चुनाव से पहले विशेष संक्षिप्त संशोधन किया गया है। यह उप-चुनाव से पहले किया जाने वाला पहला ऐसा अभ्यास है।

राजनैतिक हिस्सेदारों के साथ नियमित बातचीत को और ज्यादा कुशल बनाने के लिए, ईसीआइ ने देश भर में 4719 मीटिंगें की, जिसमें 28,000 से

अधिक राजनैतिक पार्टियों के नुमायंदे शामिल हुए। इनमें ईसीओ स्तर पर 40 मीटिंगें, डीईओ स्तर पर 800 और ईआरओ स्तर पर 3879 मीटिंगें शामिल थीं। कमीशन ने नयी दिल्ली में मान्यता प्राप्त राजनैतिक पार्टियों के नेताओं के साथ सलाह-मशवरा भी किया है, जिनमें भाजपा, बसपा, सीपीआइ(एम) और एन. पी. पी शामिल हैं और मौजूदा उप-मतदान के बाद राष्ट्रीय राजनैतिक पार्टियों और प्रदेश राजनैतिक पार्टियों के साथ और मीटिंगों की योजना बनाई गई है।

ईसीआइ ने बूथ स्तर अफसरों बीऐलओ सुपरवाईजरों और बूथ स्तर एजेंटों के लिए प्रशिक्षण प्रोग्रामों का विस्तार किया है। इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ डेमोक्रेसी एंड इलैक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईऐम) में 3500 से अधिक बीऐलओज/ बीऐलओ सुपरवाईजरों को प्रशिक्षण दिया गया है, जिसको अब आने वाले सालों में एक लाख से अधिक बीऐलओ सुपरवाईजरों को प्रशिक्षण देने का काम सौंपा गया है। यह सुपरवाइजर बदले में 10.5 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं के बड़े बीऐलओ नैटवर्क को प्रशिक्षण देंगे।

इस साल जुलाई के मध्य तक लगभग 6000 और बीऐलओज/ बीएलओ सुपरवाइजर लगभग 20 बैचों में अपना प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। विशेष ध्यान बिहार, तमिलनाडु, पुडुचेरी, पश्चिमी बंगाल, केरल और असाम जैसे राज्यों पर होगा जहाँ नजदीक भविष्य में विधान सभा मतदान होने हैं। पहचान और पहुंच योग्यता के लिए सभी बीऐलओ को मानक फोटो पहचान पत्र जारी किये जाएंगे। प्रशिक्षण का विस्तार मान्यता प्राप्त राजनैतिक पार्टियों के बीऐलए तक भी किया गया है और बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी से सबंधित शुरूआती बैच में सैशन इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ डेमोक्रेसी एंड इलैक्शन मैनेजमेंट में प्रशिक्षण ले रहे हैं। सीईओ मीडिया सैलों के अधिकारियों को मीडिया शमूलियत के बारे जानकारी दी गई है, जिसका मकसद सार्वजनिक संचार की गुणवत्ता और समयबद्धता को बेहतर बनाना है। इसके इलावा, बिहार के पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सैशन आयोजित किये गए हैं, जो चुनाव तैयारी की बहु-एजेंसी प्रकृति को दशार्ते हैं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान पहचाने गए 28 श्रेणियों के हिस्सेदारों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण ढांचा विकसित किया गया है। यह माड्यूल जन प्रतिनिधित्व एक्ट, 1950 और 1951, वोटर रजिस्ट्रेशन नियमों, 1960 और चुनाव नियमों, 1961 के उपबंधों के साथ-साथ ईसीआइ निदेर्शों पर आधारित हैं। यह हिस्सेदार आईआईआईडीईऐम में प्रशिक्षण भी लेंगे।

अन्य सुधारों में ईसीआइ ने अपने हैडक्वाटर पर बायोमैट्रिक हाजिरी लागू की है, ई-आफिस सिस्टम को एक्टिवेट किया है, और नियमित सीईओ- स्तरीय समीक्षा मीटिंगें शुरू की हैं। इन उपायों का उद्देश्य अंदरूनी तालमेल और संचालन कुशलता को बेहतर बनाना है।

ईसीआइ ने आईआईआईडीईऐम, नयी दिल्ली में भारत के चुनाव कमीशन की नुमायंदगी करने वाले वकीलों की एक राष्ट्रीय कान्फ्रेंस भी बुलाई। सुप्रीम कोर्ट और देश भर के इसके बैचों समेत 28 हाई कोर्टों के सीनियर वकीलों के साथ-साथ सभी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों और 36 सीईओज ने कान्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस पहल का उद्देश्य तालमेल विकसित करना और उभर रही चुनौतियों को और ज्यादा प्रभावशाली ढंग से निपटने के लिए कमीशन के कानूनी ढांचे को फिर से तैयार करना था।

मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली सरकार विद्यार्थियों को सपने साकार करने के समर्थ बना रही है : शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि विद्यार्थियों में ऊँची बुलन्दियां छूने की भावना पैदा करने, बड़े सपने देखने और दृढ़ इरादे को और मजबूत करने के मकसद से पंजाब सरकार द्वारा राज्य भर के स्कूल आफ एमिनेंस (एस. ओ. ई.) कैंपसों में नये दाखिल हुए 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए 3 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम करवाया गया। उन्होंने कहा कि 26 से 28 मई तक करवाए गए इस ओरिएंटेशन प्रोग्राम के द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग ने हजारों विद्यार्थियों को आत्म-विश्वास और अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने के समर्थ बना कर विद्यार्थियों के हुनर को निखारने के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराई है।

इस प्रोग्राम के अंतर्गत स्कूलज आफ एमिनेंस में अकादमिक और सीखने के रचनात्मक माहौल में दो सालों का सफर शुरू करने वाले विद्यार्थियों का स्वागत करते हुये उनको अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम के अहम पहलूओं को उजागर करते हुये स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि इसमें माहिरों के भाषण, विद्यार्थी रोल माडल सैशन, और इंटरऐकटिव सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां शामिल थी, जो विद्यार्थियों में आत्म- विश्वास पैदा करने, उत्सुकता पैदा करने और लम्बे समय के कॅरियर सम्बन्धी लक्ष्य निश्चित करने के लिए तैयार की गई थीं। उन्होंने कहा कि सिवल सेवाओं, मैडीकल, कानून, रक्षा सेवा, इंजीनियरिंग, कारोबार और शिक्षा समेत अलग- अलग क्षेत्रों के प्रसिद्ध पेशेवरों और पूर्व विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों को जीवन में उच्च सपने देखने और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करने के लिए अपनी निजी सफरों, संघर्षों और सफलताओं की कहानियाँ सांझी की। उन्होंने बताया कि कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से पी. एच. डी.

प्राप्त और ऐमाजोन और ओरेकल के पूर्व तकनीकी पेशेवर डा. संदीप सिंह संधा ने फिरोजपुर जिले के गाँव मल्लांवाला खास स्थित स्कूल आफ एमिनेंस (एस. ओ. ई.) का दौरा किया और अपने संघर्ष के बारे बताते हुये विश्व स्तर पर उपलब्ध मौकों के बारे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

स्कूल आफ एमिनेंस (एस. ओ. ई.) खमाणों कलाँ (फतेहगढ़ साहिब) के विद्यार्थियों को अनमोल सूझ प्रदान करते हुये पशु पालन, डेयरी विकास और मछली पालन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राहुल भंडारी ने विद्यार्थियों को पढ़ने की आदत डालने और हमेशा कुछ नया सीखने के लिए उत्सुक रहने के लिए कहा, जो जिंदगी में सफलता की एकमात्र कुंजी है।

उन्होंने बताया कि यह आदतें कैसे दृष्टिकोण को विशाल करती हैं, नवीनता को उत्साहित कर सकती हैं और अकादमिक और पेशेवर उत्कृष्टता प्राप्त करने का रास्ता साफ कर सकती हैं। स्कूल आफ एमिनेंस (एस. ओ. ई.) फीलखाना (पटियाला) की छात्रा रही डी. एस. पी. करमजीत कौर ने स्कूल में आकर अपनी जिंदगी में आईं रुकावटों को दूर करने और पुलिस में उच्च पदों पर पहुँचने सम्बन्धी अपने शानदार सफर को सांझा किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को निडरता से अपने सपनों को साकार करने के लिए यत्नशील रहने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र से शुरू किया विकसित कृषि संकल्प अभियान

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। राष्ट्रव्यापी विकसित कृषि संकल्प अभियान की कड़ी में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र से विकसित कृषि संकल्प अभियान का आगाज किया। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को नई तकनीक, योजना और नवाचार से जोड़कर कृषि क्षेत्र में सुधार लाना है। किसानों को खरीफ फसलों की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व को समझाना और सरकारी योजनाओं व नीतियों का लाभ पहुंचाना है। इस अभियान के तहत किसानों से सीधा संवाद करके फीडबैक लेकर कृषि अनुसंधान को एक नई दिशा मिलेगी। आज से आगामी 12 जून तक प्रदेशभर में चलाया जा रहा यह अभियान, किसानों को सशक्त करने की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर में हरियाणा के कृषि, बागवानी, मत्स्य और पशुपालन विभागों तथा आईसीएआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की मेहनत, धैर्य और समर्पण से ही आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से हर किसान को नीति का सहभागी और नवाचार का भागीदार बनाएंगे। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है, जो किसानों को ज्ञान, नवाचार और तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह अभियान एक ऐसी त्रिवेणी है, जिसमें कृषि वैज्ञानिक, कृषि से जुड़े विभागों के अधिकारी और किसान एक-दूसरे से सीधा संवाद करेंगे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत' का जो संकल्प लिया है, उसमें हमारे अन्नदाता को एक प्रमुख स्तंभ माना है। एक विकसित, मजबूत और समृद्ध भारत तभी संभव होगा, जब हमारा किसान खुशहाल और आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की संयुक्त पहल है। उन्होंने कहा कि इस महा अभियान के तहत देशभर में 2 हजार से अधिक कृषि वैज्ञानिकों और कृषि अधिकारियों की टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें गांव-गांव जाकर लगभग डेढ करोड़ किसानों से सीधा संवाद करेंगी। यह अपने आप में कृषि क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा जनसंपर्क अभियान होगा। इस दौरान किसानों को स्थानीय जलवायु, मिट्टी और फसलों के अनुरूप विशेष सुझाव दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है। इस समय जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि की उपजाऊ शक्ति कम होना और बाजार की बदलती मांगें, ये सभी चुनौतियां आज हमारे सामने हैं। 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' इन्हीं चुनौतियों का सामना करने में किसानों को सशक्त बनाएगा। यह अभियान लैब से खेत तक, यानी कृषि अनुसंधान को सीधे हमारे किसानों के खेतों तक पहुंचाने का काम करेगा। कृषि वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी और प्रगतिशील किसान मिलकर राज्य के 1,380 गांवों और 109 ब्लॉकों को कवर करेंगे। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक ने खेती को बदल दिया है। इस अभियान' के दौरान डिजिटल टूल्स की जानकारी भी दी जाएगी। इससे किसान परंपरागत तरीकों के साथ-साथ स्मार्ट एग्रीकल्चर की ओर आगे बढ़ सकेंगे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के हितों में लगातार कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। सरकार ने खरीफ फसलों के लिए हर किसान को 2 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से 1,345 करोड़ रुपये का बोनस दिया है। ऐसा हरियाणा के इतिहास में पहली बार हुआ है। इसके अलावा, हमने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म किया है और आबियाना के 133 करोड़ रुपये की बकाया राशि को भी माफ किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने खेतों से गुजरने वाली बिजली की हाई टेंशन लाइनों के लिए मुआवजा नीति बनाई है। इसमें टावर एरिया की जमीन के लिए मार्केट रेट के 200 प्रतिशत व लाइन के नीचे की भूमि के लिए मार्केट रेट के 30 प्रतिशत मुआवजे का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पट्टेदार किसानों को मालिकाना हक दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पानी की हर बूंद को बचाने और सूक्ष्म सिंचाई को अपनाने का आह्वान किया है। इसलिए किसानों को पानी का ज्यादा दोहन करने वाली फसलों की जगह अन्य फसलों की खेती को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें, क्योंकि प्राकृतिक खेती आज के समय की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने किसानों का आह्वान किया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान को जन-आंदोलन बनाकर भारत को एक बार फिर 'विकसित राष्ट्र' बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाएं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि देश में किसानों की फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए 15 दिनों का विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। ये कार्यक्रम प्रदेश के किसानों को उनकी भूमि की जानकारी मुहैया करवाने, सरकार की योजनाओं का किसानों को लाभ पहुंचाने और उनके संदेश को कृषि विभाग तक पहुंचाने का काम करेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सादगी के कायल हुए ग्रामीण

ग्रामीणों का जाना हालचाल, युवाओं ने ली मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने असंध के गांव सालवन में आयोजित राज्य स्तरीय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह से लौटते वक्त गांव फफड़ाना व जलमाना में अचानक अपना काफिला रुकवाया और ग्रामीणों से मिले। अचानक अपने बीच मुख्यमंत्री को देखकर ग्रामीण उत्साहित नजर आए। ग्रामीण उनके सौम्य स्वभाव व सादगी के कायल हो गए। मुख्यमंत्री ने लोगों का हाल चाल जाना और बच्चों ने उनके साथ सेल्फी भी ली।

नायब सिंह सैनी ने अपना काफिला रूकवा कर फफड़ाना गांव में पेड़ के नीचे बैठे ग्रामीणों के पास पहुंचे तथा उनका कुशलक्षेम जाना और विकास कार्यों पर चर्चा की। इसके बाद करनाल आते समय अचानक जलमाना गांव में मुख्य बस अड्डे के आगे काफिला रुकवाया और ग्रामीणों तथा दुकानदारों से बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने आम आदमी की तरह ग्रामीणों के बीच खड़े होकर बातचीत की। लोगों का कहना था कि इस प्रकार मुख्यमंत्री का सादगी और अपनेपन के भाव के साथ उनसे मिलना उनके मिलनसार व्यक्तित्व की झलक दिखाता है।

किताबें बच्चों में गलत को गलत कहने की साहस का संस्कार पैदा करती है: डीजीपी शत्रुजीत कपूर

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक ने कैथल पुलिस लाइन में 18वीं 'सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय' का किया उद्घाटन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर जी की प्रेरणा से हरियाणा की सभी पुलिस लाईनों में सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय ज्ञान का ऐसा केन्द्र स्थापित हो रहा है, जहां ज्ञान के आधुनिकतम स्वरूपों को अध्ययन के लिए साकार किया जा रहा है। पुस्तकालय में सभी आयु समूह के लोग ज्ञान पिपाशा को शांत कर पाएंगें।

वैश्विक परिदृश्य में हरियाणा के युवाओं की हिस्सेदारी बृहद हो, इस अवधारणा को साकार करने के क्रम में हरियाणा की सभी पुलिस लाईनों में ई-पुस्तकालय की स्थापना की जा रही है। हरियाणा की 17 पुलिस लाईनों में सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय संचालित हैं। आज 29 मई को कैथल पुलिस लाईन में 18वीं सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय का उद्घाटन श्रीमान पुलिस महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर जी के कर कमलों द्वारा किया गया। 19वां सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय जीन्द बनकर उद्घाटन के लिए तैयार है। नूंह, झज्जर, हिसार, रेवाड़ी व पलवल में पुस्तकालय निर्माणाधीन है। कैथल पुलिस लाईन में सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में श्रीमान पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किताबें बच्चों में गलत को गलत कहने की साहस का संस्कार पैदा करती हैं। उन्होंने हरियाणा राज्य के सभी जिलों की पुलिस लाईनों में संचालित डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूलों के मध्य इंटर स्कूल प्रतियोगिताएं करवाने का प्रस्ताव रखा इससे इंटर स्कूल प्रतियोगिताएं करवाने से बच्चों का रुझान खेलों की तरफ भी बढेगा। उन्होने कहा कि सभी सरकारी और निजी स्कूलों में चक्रव्यूह की स्थापना की जाए। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय एक विचार है और यह पुलिस परिवारों के कल्याणकारी जीवन का आधार है। कार्यक्रम के उपरांत पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ उन्होंने पुलिस परिसर में पौधारोपण भी किया। इस दौरान एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण, आईजी एनफोर्समेंट कुलदीप यादव, एसपी आस्था मोदी, सभी डीएसपी व अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तथा बच्चे व अन्य आमजन मौजूद रहे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक करनाल रेंज करनाल डॉ. एम. रवि किरण ने कहा कि किताबें हर आयु वर्ग के लोगों को सशक्त माध्यम से जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उन्होने कहा कि यह पुस्तकालय आधुनिक ज्ञान, आस्था और संस्कृति का संगम है। उन्होने कहा कि पुस्तकालय में विविध विषयों की ऑनलाइन सैंकडों किताबें विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय नागरिक और पुलिस समाज की नई पीढ़ी के लिए अध्ययन केन्द्र बनेगा। किताबों की यह दुनिया पुलिस नागरिक समाज के मध्य संवाद का मंच बन रहा है।

आईजी एनफोर्समेंट कुलदीप यादव ने इस दौरान कहा की पुस्तकें मानव सभ्यता की सबसे बड़ी धरोहर हैं। ये केवल ज्ञान का स्त्रोत नहीं, बल्कि विचारों, संस्कारों और कल्पनाओं की दुनिया हैं। यह पुस्तकालय आने वाले समय में समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नीलोखेड़ी विधानसभा की सड़कों के नवीनीकरण के लिए 46 करोड़ 31 लाख रुपए की राशि स्वीकृत

विधायक ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जताया आभार

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। नीलोखेड़ी के विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने नीलोखेड़ी विधानसभा की सड़कों के नवीनीकरण के लिए 46 करोड़ 31 लाख रुपए की राशि स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इन सड़कों के नवीनीकरण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी और विकास को गति मिलेगी।

विधायक कबीरपंथी ने कहा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नीलोखेड़ी विधानसभा क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। सड़कों के नवीनीकरण से क्षेत्र के विकास में एक नया अध्याय जुड़ेगा। यह राशि क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सड़कों के चौड़ीकरण और निर्माण से क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री मंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

प्रदेश सरकार विकास कार्यों को लेकर प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

यातायात नियमों का पालन करें सभी जिलावासी: डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने सभी जिला वासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क पर कोई भी दुर्घटना नहीं हो। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा समिति से संबंधित अधिकारी सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करवाने के साथ-साथ मुख्य सुविधाएं प्रदान करना भी सुनिश्चित करें।

डीसी प्रीति ने कहा कि स्कूलों, कालेजों के साथ-साथ आम लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। उन्हें बताया जाए कि यदि हम नियमों का सही पालन नहीं करेंगे तो उनकी स्वयं की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है, वहीं समाज के अन्य लोगों को भी काफी प्रभावित करती है। हमें ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना चाहिए, ओवर स्पीड में वाहन नहीं चलाएं, जेब्रा क्रासिंग का सही उपयोग करें, दो पहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग जरूर करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, सीट बेल्ट लगाए, सड़क पर लगे संकेतों का पालन करें, धीमी गति के संकेत को गंभीरता से लें। यातायात पुलिस लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ सख्त कार्रवाई भी अमल में लाएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह हमारी और हमारे समाज की सुरक्षा के लिए बहुत आवश्यक है। डीसी ने कहा कि अभिभावक भी यह सुनिश्चित करें कि उनके नाबालिग बच्चे वाहन न चलाएं। ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग भी अपनी जिम्मेदारी पूरी गंभीरता से निभाएं।

किठाना गांव का बेटा आकाश गोयल बना आईपीएस

यूपीएससी परीक्षा में 117वां रैंक

संजना भारती संवाददाता

कैथल। गांव किठाना के मूल निवासी स्व. रामकुमार गोयल के सुपौत्र आकाश गोयल पुत्र सतबीर गोयल हाल निवासी जीन्द ने यूपीएससी की परीक्षा में 117वां रैंक हासिल कर गांव किठाना का नाम रोशन किया है, जिससे गांव में खुशी का माहौल है। गांव किठाना से पूर्व सरपंच (प्र.) व भगवान परशुराम सेवा समिति (रजि.) के प्रधान कृष्ण कौशिक ने बताया कि आकाश गोयल एक साधारण परिवार से संबंध रखते हैं, इनके पिता जिला जींद के राजकीय सिनियर सैकेण्डरी स्कूल में प्रिंसिपल है।

गांव किठाना की विभिन्न संस्थाओं, प्राईवेट स्कूलों ओर गणमान्य लोगों एवं ग्राम पंचायत किठाना द्वारा 30 मई को आकाश गोयल को गांव में राजकीय सिनियर सैकेण्डरी स्कूल में सम्मानित किया जाएगा।

14 तक कराएं अपना आधार कार्ड अपडेट: डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड एक अहम दस्तावेज है। दस साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराना जरूरी है। यूआईडीएआई द्वारा आधार कार्ड को अपडेट करवाने की अंतिम तिथि 14 जून तक है। नागरिक स्वयं भी http://uidai.gov.in/ वेबसाइट पर जाकर आधार कार्ड अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी सीएससी व आधार सेंटर पर जाकर भी इ से अपडेट कराया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि आधार की जानकारी अपडेट करने की सुविधा सिर्फ यूआईडीआई के ऑनलाइन पोर्टल पर ही उपलब्ध है। पहचान और पते के दस्तावेज http://myaadhaar.uidai.gov.in/ पर आधार नंबर से लॉग इन करके अपडेट कर सकते हैं। ऑनलाइन अपडेट की सुविधा सिर्फ उन्हीं लोगों के लिए है, जिनका मोबाइल नंबर आधार से लिंक है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जिन्होंने पिछले 10 सालों में आधार कार्ड को अपडेट नहीं करवाया है, वे समय रहते अपडेशन करा लें ताकि उन्हें भविष्य में सरकारी योजना का लाभ लेने व अन्य किसी प्रयोजन में परेशानी का सामना न करना पड़े।

आधार कार्ड को अपडेट करने के लिए जो दस्तावेज इस्तेमाल करते हैं उस पर नाम, जन्मतिथि सही होनी चाहिए। इसे अपडेट कराने के लिए रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा।

सांसद कुमारी सैलजा ने सीएम को पत्र लिखकर स्ट्रीट वेंडर्स के हक में उठाई आवाज

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर कहा है कि प्रदेश के सिरसा, जींद, फतेहाबाद, पानीपत व अन्य नगरों में रेहड़ी-पटरी व ठेले पर आजीविका चलाने वाले हजारों श्रमिक आज स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका संरक्षण एवं नियमन) अधिनियम, 2014 के लाभों से वंचित हैं। ये श्रमिक अपनी मेहनत और आत्मसम्मान से जीवनयापन कर रहे हैं, परंतु उन्हें न तो कानूनी सुरक्षा प्राप्त है और न ही उनकी आजीविका को स्थायित्व मिला है। ऐसे में इस अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इन श्रमिकों को उनका हक, सम्मान और सुरक्षा मिल सके।

मुख्यमंत्री नायब सैनी को लिखे पत्र में सांसद कुमारी सैलजा ने स्ट्रीट वेंडर्स के हक में उठाई आवाज उठाते हुए कहा है कि स्ट्रीट वेंडर ऐसे व्यक्ति हैं जो सामान की बिक्री के लिए एक स्थायी निर्मित संरचना के बिना जनता को बड़े पैमाने पर वस्तुओं की बिक्री की पेशकश करते हैं। इनके हितों की रक्षा के लिए स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका संरक्षण एवं नियमन) अधिनियम, 2014 लागू किया था पर स्ट्रीट वेंडर्स आज भी इस अधिनियम के लाभ से वंचित है। कुमारी सैलजा ने मांग की है कि इस अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इन श्रमिकों को उनका हक, सम्मान और सुरक्षा मिल सके। स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम का उद्देश्य विक्रेताओं को कानूनी सुरक्षा प्रदान करना, राज्य स्तरीय समिति के माध्यम से सहमति स्थापित करना, और पहचान व प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हें संरक्षित करना है। परंतु प्रदेश के अधिकतर नगरों में न तो समितियों का गठन किया गया है और न ही पात्र विक्रेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं। इसके चलते हजारों श्रमिक आज भी असुरक्षित और अनिश्चित हालात में काम कर रहे हैं। कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि प्रदेश के सभी नगरों में अधिनियम को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, समितियों का शीघ्र गठन हो, पात्र विक्रेताओं की पहचान कर उन्हें प्रमाण पत्र दिए जाएं और सभी कानूनी सुविधाएं प्रदान की जाएँ। साथ ही, नगर पालिकाओं को निर्देश दिए जाएं कि वे इस अधिनियम के अनुपालन को गंभीरता से लागू करें।

कुमारी सैलजा ने कहा है कि स्ट्रीट वेंडर्स के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, किंतु इसके बावजूद इन योजनाओं के कार्यान्वयन, पहचान, जागरूकता और पहुंच से संबंधित विभिन्न चरणों में अंतराल देखा जा रहा है, जिन्हें समयबद्ध ढंग से दूर किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा महिला स्ट्रीट वेंडर्स को मातृत्व भत्ता, दुर्घटना राहत, उच्च शिक्षा हेतु वेंडर के बच्चों को सहायता और किसी भी संकट के दौरान पेंशन जैसे लाभ प्रदान किये जाने चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिकारियों द्वारा रेहड़ी-पटरी वालों को परेशान न किया जाए क्योंकि वे केवल आजीविका का अधिकार मांग रहे हैं।

सांसद कुमारी सैलजा ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री इस मानवीय और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दे को प्राथमिकता देंगे और आवश्यक कदम शीघ्र उठाएंगे।

अधिकारी अपने आप को जनता का सेवक समझ कर करें लोगों की समस्याओं का समाधान: महीपाल ढ़ांडा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढ़ांडा ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी जनता के सेवक हैं, वे अपने आप को जनता का सेवक समझकर ही उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान करें। यदि किसी आमजन के साथ कोई धोखाधड़ी या ज्यादती होती है तो पुलिस विभाग ठोस कार्रवाई करे, ताकि दोषी को सजा मिल सके। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी मामले में पीड़ित व्यक्ति के साथ न्याय न करने वाले और उसे परेशान करने वाले संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। शिक्षा मंत्री श्री ढ़ांडा आज भिवानी के पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में परिवादों का निपटारा करने के दौरान अपना संदेश दे रहे थे। शिक्षा मंत्री ने बैठक में रखे गए कुल 15 परिवादों में से 9 का मौके पर ही समाधान किया तथा शेष के लिए संबंधित विभागों को गहनता से जांच के आदेश दिए।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों के उज्वल भविष्य को लेकर प्रदेश में स्कूलों के आधारभूत ढ़ांचों में तेज गति से सुधार किया जा रहा है। जून के महीने में होने वाली छुट्टियों के दौरान शिक्षा विभाग और पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी सरकारी स्कूलों की छतों की सफाई व मरम्मत करवाएं ताकि स्कूलों की छत सही हो। उन्होंने कहा कि यह बड़ी खुशी की बात है कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों का परिणाम प्राईवेट स्कूलों से बेहतर आया है। शिक्षा विभाग 9वीं से 12वीं तक की कक्षा के लिए एक ऐसा कौशल पूर्ण विषय तैयार करने पर जुटा हुआ है, जिससे 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद बच्चों को नौकरी की तरफ न भागना पड़े और वे स्वयं का कोई कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला ऐसा प्रदेश है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू को सबसे पहले लागू किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा जिलों के आला प्रशासनिक अधिकारियों को स्कूलों का निरीक्षण करने, बच्चों व शिक्षकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानने के निर्देश दिए गए हैं।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635